B.A Part 2 Philosophy

डा० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. ज्ञान की प्राप्ति अनुभव से होती है

Ans लॉक

2. अनुभव के द्वारा हमें केवल प्रत्यय मिलता है। न आत्मा सत्य है, न ईश्वर।

Ans. ह्यूम

3. Knowledge is a system of synthetic a priori judgement

Ans Kant

4. हम ईश्वर की व्याख्या नहीं कर सकते, वह शंकर के निर्गुण ब्रह्म जैसा है।

Ans. स्पीनोजा

5. सब कुछ परब्रह्म पर आश्रित है और ईश्वर सबका नियंता है।

Ans. रामानुज

6. मनुष्य को ईश्वर के आकार के अनुरूप बनाया गया है।

Ans. बाईबिल

7. ईश्वर स्वभाव के अनुसार ही अनेकता में अपने आपको अभिव्यंजित करता है।

Ans. हीगेल

8. ब्रह्म सत्य है तथा जगत मिथ्या।

Ans. शंकर

9. अस्तित्व का अर्थ अनुभव गम्य होना है।

Ans. बर्कले

10. प्रत्यक्ष दो प्रकार के होते हैं।

Ans बर्कले

11. जो कुछ तात्विक है, वही बुद्धिगम्य है, जो कुछ भी बुद्धिगम्य है, वही तात्विक है।

Ans - काण्ट

B.A
part - 2 (H & Subsi) Philosophy

डा० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. ईश्वर में विश्वास हमारे नैतिक जीवन की एक आवश्यक मान्यता है।

Ans. कान्ट

2. Cause is the sum total of all conditions, positive and negative taken together.

Ans. मिल

3. धर्म और दर्शन का एक ही उद्देश्य है

Ans. जॉन केयर्ड

4. दर्शन विश्व के संयुक्त ज्ञान की खोज करता है, जबकि धर्म विश्व के साथ एकरूपता की खोज करता है।

Ans. बाम

5. क्षुद्र दर्शन मनुष्य को नास्तिकवाद की ओर ले जाता है, किन्तु गंभीर दर्शन मनुष्य के मस्तिष्क को धर्म की ओर अग्रसर करता है।

Ans. बेकन

6. सच्चा दर्शन सच्चे धर्म में परिणत होगा और सचमुच में विश्वास तथा बुद्धि में कोई मौलिक भेद नहीं हो सकता

Ans. डा० राधाकृष्णन

7. धर्म मनुष्य के अपूर्ण स्वरूप को पूर्णस्वरूप स्थापित करने का साधन है।

Ans. इमर्सन

8. ज्ञान प्रागनुभविक संश्लेषणात्मक वाक्यों की समष्टि है।

Ans. कान्ट

9. मोक्ष जीवन का लक्ष्य है

Ans. अंतिम